			(B) Minor Courses to be offered by the Departments of Humanities	80 Credits	
Sl. No.	Sem	Type of course	Name of Course	Credit	Marks
1.	i	MJC-1	व्याकरण–संज्ञा, सन्धि नाम धातु, अनुवाद	03	100
2.	ii	MJC-2	काव्य–भगवद्गीता, पूर्वमेघदूतम्, नीतिशतकम्	03	100
3.	iii	MJC-3	संस्कृत–गद्य साहित्य	03	100
4.	iv	MJC-4	व्याकरण–व्यंजन और विसर्ग–सन्धि, लकार एवं अनुवाद	03	100
5.	V	MJC-5	संस्कृत–नाटक	03	100
6.	v	MJC-6	काव्य–शास्त्र	03	100
7.	Vi	MJC-7	व्याकरण–कारक एवं वाच्य	03	100
8.	Vi	MJC-8	संस्कृतसाहित्य काइतिहास	03	100
9.	Vii	MJC-9	श्रीमद्भगवद्गीता	04	100
10.	Viii	MJC-10	व्याकरण–समास–प्रकरण	04	100

Note: The Department may reduce the syllabus of the Minor courses as per the credit distribution The Department concerned may also decide practical course.

14/06/2023

14/6/23

Study Origin.com

MIC- I:संस्कृत व्याकरण

3 Credits

100 Marks-70+30

उद्देश्य

"मुखं व्याकरणं स्मृतम्"–संस्कृत भाषा की अवगति(समझदारी) विकसित करने हेतु महर्षि पतंजलि ने व्याकरण–शास्त्र को प्रमुख अंग के रूप में विवेचित किया है। वास्तव में, व्याकरण के ज्ञान के विना संस्कृत–वाङ्मय को समझना दुष्कर है। एतन्निमित्त यहाँ व्याकरण के प्रमुख व महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी छात्रों को उपलब्ध कराने के उद्देश से लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर पाठ्यक्रम का प्रारूप प्रस्तुत है–

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
I	संज्ञा प्रकरण	05
II	सन्धि प्रकरण(लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार): स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि	10
III	शब्द रूपः राम, लता, फल, नदी, वारि, साधु, वधू, मधु, गौ, मातृ, राजन, युष्मद, अस्मद्, तीनों लिगों में–तत्, किम्, सर्व अदस् धातुरूप(पाँच लाकारों में)–लट्, लोट्, लङ् विधिलिंग लृट् भू, गम्, सेव् हृ, लभ्, रम् शीङ्, श्रु, स्था, दृश्	05
IV	अनुवाद–(।) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (।।) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद	05
V	**Tutorial**	05
	Total	30

Reading List

1. शास्त्री, धरानन्द, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, भाग–01, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी गोविन्द प्रसाद शर्मा चौरवम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
4. रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम उपलब्धिः–संस्कृत व्याकरण के अध्ययन के उपरान्त छात्र छात्राओं को निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त होगी–

1. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगें।
2. संस्कृत वर्णमाला एवं श्लोकों के शुद्ध उच्चारण का कौशल विकसित होगा।
3. संस्कृत वाक्यों, श्लोकों एवं गद्यों को समझने की सामर्थ्य–शाक्ति विकसित होगी।
4. छात्र/छात्राओं को संस्कृत भाषा में सम्भाषण की कला का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. संस्कृत वाक्यों के निर्माण की शुद्ध एवं वैज्ञानिक कला का विकास होगा।

14/6/2023

14/6/23

Study Origin.com